Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY) - 11

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Praduman Kumar

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Email:

Center & Date: Nehru Vihar

UPSC Roll No.: 0811492

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A	04	68
खंड-B Section-B	06	67
सकल योग (Grand Total)		135/250

FL211

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

1. कोई भी संविधान अपने आपमें पूर्ण न्याय नहीं प्रदान कर सकता।
   No constitution by itself achieves perfect justice.
1. किस्मत का मतलब है जब तैयारी की मुलाकात अवसर से होती है।
   Luck is what happens when preparation meets opportunity.
2. सफलता का मार्ग हमेशा निर्माणाधीन होता है।
   Road to Success is Always Under Construction.
3. अंतरिक्ष एक प्रेरणादायक अवधारणा है जो आपको बड़े सपने देखने की अनुमति देता है।
   Space is an inspirational concept that allows you to dream big.
4. अगर आप लोगों को उनके इतिहास से काट सकें, तो उन्हें आसानी से राजी किया जा सकता है।
   If you can cut the people off from their history, then they can be easily persuaded.

अगर आप लोगों को उनके इतिहास से काट सकें, तो उन्हें आसानी से राजी किया जा सकता है।

कोई भी युद्ध युद्धभूमी से पहले मनोभूमि में खेला जाता है — नेपोलियन

नेपोलियन की ये लाइने हमें मनोवृत्ति में बदलाव या मनोवृत्ति के महत्व को बताती है। कि कोई भी युद्ध युद्धभूमि से पहले उसके (प्रतिद्वंदी) के मनोभूमि के साथ खेला जाता है

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी प्रकार यदि किसी समाज, देश.
या व्यक्ति की मनोवृत्तियों को अपने अनुकूल
बनाना है तो पहले उसके इतिहास से उसे
काटना होगा, ताकि अपनी बातों को आसानी
से उससे बनवाया जा सके।

आइये अब निबंध
को विस्तृत रूप में समझते हैं। इतिहास
से काटने का तात्पर्य है किसी को उसके
अतीत से दूर करना, उसे अपनी पुरानी
सभ्यता, परम्परा, मान्यताओं से दूर कर नयी
मान्यताओं के लिये राजी करना या नये
विचारों, नये परम्पराओं, नयी मान्याताओं के
लिये राजी करना।

किन्तु क्या इतिहास को मिटाकर ही
किसी को राजी किया जा सकता है या
दूसरा तरीका भी है। तथा क्या इतिहास को
मिटाकर, उन्हें इसी मान्यताओं के लिये राजी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करना सही है या गलत। क्या ऐसे करने के कुछ फायदे भी है या सिर्फ नुकसान है आइये समझते है। तथा विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से इसपे विस्तृत चर्चा करते है।

ब्रिटिशों द्वारा भारत को गुलाम बनाये रखने के लिये नयी चाल चली गई कि भारतीयों को उनके पुराने इतिहास, उपलब्धियों से दूर कर, तथा उनके मन में हीन भावना डालकर ही उन्हे ब्रिटिश हुकुमत के लिये राजी करना एवं यूरोपियों संस्कृति की तुलना में कमतर सिद्ध करना था।

इसी के परिणाम से भारतीयों में हीन भावना घर कर गई कि हम हमेशा गुलाम ही रहे है तथा अतीत में हमारी उपलब्धियाँ नही है प्राचीन काल से ही भारत पिछड़ा रहा है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
@groundrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी प्रकार रोमन साम्राज्य के इतिहास के दबने के कारण ही इटली एवं यूरोपीयों में 15-16 वी शताब्दी से पहले तक हीन भावना थी, पुनर्जागरण काल के दौरान ही वे अपने अतीत को जान पाये तथा हीन भावना से बहार निकल सके।

बाहर

मात्रात्मक व वर्तनीगत अशुद्धियों से बचें

किन्तु ऐसा क्यूँ होता है कि इतिहास से काटने पर किसी समाज, व्यक्ति देश को राजी किया जा सकता है, हमारे इतिहास में ही हमारी उपलब्धियां है जो हमे गौरान्वित करती है एवं आगे विकास के लिये प्रेरित करती है। समृद्ध इतिहास आत्मविश्वास का संचार करता है जिससे व्यक्ति निरंतर प्रगति करता है।

जैसे किसी समाज को नयी दिशा देने या अपनी बात के लिये राजी करने के लिये उसे उसके इतिहास से काटा जाता

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। जैसे भारत में प्राचीन समय से ही शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परम्परा है

भारत में कौटिल्य जैसे विचारक, कालिदास से साहित्यकार, चरक जैसे आयुर्वेद भरतमुनि जैसे नाटकार रहे हैं। इसीलिये आइन्सटीन ने भी कहा था-हमें भारतीयों का धन्यवाद करना चाहिए कि उन्होंने हमें गिनती करना सिखाया।

किन्तु शिक्षा पद्धति को अमूल्य बताकर तथा भारतीयों को उनके इतिहास से काटकर नयी शिक्षा पद्धति लागू की गई जिसका उद्देश्य भारतीय मध्यवर्ग, शिक्षित वर्ग को यूरोपीयों के प्रति वफादार एवं यूरोपीय संस्कृति के प्रति आकर्षित करना था- इसी में भारत, राष्ट्रकवि गुप्त ने कहा है-

"यह साम्प्रदायिक शिक्षा हमारे सर्वथा प्रतिकूल है, इसमें हमारे देश के प्रति द्वेष मती की भूल है"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वर्तमान में नवउपनिवेशवाद के दौर में जब विकसित देश बड़ी-2 कम्पनियों के माध्यम से विकासशील देशों के बाजार पर कब्जा करने चाहते है जब उन्हें विकासशील देशों की संस्कृति, सभ्यता एवं परम्परा एवं मान्यताओं को दबाया जा रहा है विकसित देशों की परम्परा एवं मान्यताओं को थोपा जा रहा है।

ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में भी भारतीयों को उनकी सभ्यता से दूर कर तथा भारतीय संस्कृति को दोयम दर्जे की बताकर औपनिवेशिक मान्यता एवं परम्परा को थोपा गया।

किन्तु क्या ऐसा व्यापी रूप से रूप होता है कि इतिहास से सीखकर राजी कर लिया जाये या ऐसा भी हो सकता है कि इतिहास से कारने के बाद भी राजी न किया जाये, इतिहास सर्वत्र बना रहे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यदि इतिहास, पुराने सिद्धांतों के प्रति गहन आस्था या विश्वास हो तो इतिहास से कटने के बाद आसानी से राजी नहीं किया जा सकता जैसे भारतीय समाज को ब्रिटिश काल से पहले मध्यकालीन समय से इतिहास को मिटाकर दबाने की कोशिश की गई किन्तु फिर भी भारतीय संस्कृति समाज, धर्म, मान्यता, सिद्धांत आज भी बरकरार है- इसपर मोहम्मद इकबाल ने कहा भी है

"यूनान, मिस्त्र, रोमां सब मिट गये जहां से कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी"

रोमन साम्राज्य की संस्कृति को दबाने के बाद भी वह अपना अस्तित्व बनाये रख सकी तथा आगे पुनर्जागरण का आधार तैयार किया, जिससे 15-16 वी शताब्दी में यूरोप में विज्ञान क्रांति, औद्योगिक क्रांति हुई।

Good

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
...@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
... The Vision Foundation

अतः कभी-2 इतिहास मिटा देने से भी आसानी से राजी नहीं किया जा सकता है क्योंकि इतिहास किसी न किसी रूप में अपने अस्तित्व को बनाये रखता है तथा समाज भी कभी नोस्टॉलाजिक प्रवृत्ति के कारण हमेशा उससे जुड़ा रहना चाहता है।

इतिहास या अतीत किसी समाज, देश या व्यक्तिगत रूप से भी संबंधित होता है जैसे किसी व्यक्ति को नयी शुरुआत करने के लिये अपनी अतीत को भूलना पड़ता है तभी वह नयी शुरुआत कर सकता है।

किंतु क्या इतिहास से कटके या उससे अलग होकर नयी मान्यता, धारणा परम्परा को मानना या किसी को राजी करना कुछ सकारात्मक काम भी हो सकता है तो आइये देखते हैं कि कैसे और कब-2 यह कारगर मा रहा है। तथा ऐसा करना कितना उपयुक्त होता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this marg...)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सम्पूर्ण विश्व में प्राचीन काल से ही अनेकों
कुरीतियों, आडम्बर, गलत धारणा रही है जिसने
समाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया
है। जैसे पूरे यूरोप में एवं विश्व में
भी पहले महिलाओं की दयनीय स्थिति
थी। सती प्रथा, बाल विवाह एवं दास
प्रथा जैसी अमानवीय कुरीतियां थी। ~~ऐसे~~ ऐसे
कुरीतियों को हमारा इतिहास है जिनसे
कट जाना वर्तमान की आवश्यकता है।
सभी के विकास (पुरुष-महिला) के लिये
यह जरूरी है।

अनेक

इसी को यदि पर्यावरण के सन्दर्भ
में समझे तो पुराने ईसाई धर्म में
या बाईबिल में प्रकृति को मानव के
उपभोग एवं दोहन के लिये माना गया
था किन्तु बदलते समय के साथ इसाई
धर्म आधुनिक हुआ तथा पुरानी मान्यता
एवं इतिहास से कटते हुए नये विचारों

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
The Vision Foundation

के लिये राजी हुआ।

भारतीय समाज में नये बदलाव हो रहे कुछ नयी मान्यताओं को अपनाया जा रहा है जैसे आधुनिक विचार-समानता स्वतंत्रता, बंधुत्व, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा वहीं कुछ पुरानी मान्यताओं को और अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है जैसे प्रकृति संरक्षण के लिए प्रकृति पूजा, महिलाओं का सम्मान, नैतिकतायुक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा आदि।

समग्र समग्रतः निष्कर्ष को

समग्रतः निबंध के सार रूप में सबसे तो कह सकते है कि इतिहास से कटकर नयी मान्यता या विचारों के प्रति राजी किया जा सकता है किंतु यह सोच सही भी नहीं होता है तथा इतिहास से कटने के भी सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रभाव उत्पन्न हो सकता है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हमें कोशिश करनी चाहिए कि हम अपने प्राचीन इतिहास, सभ्यता, परम्परा एवं मान्यताओं से अच्छी चीजे सीखे तथा नकारात्मक विचारों को त्यागते हुए पर्याप्त ~~संतुलन~~ संतुलन लाये क्योंकि अंतत: संतुलित विचार ही मनुष्य को सही दिशा एवं दशा प्रदान करता है। अत: इन शब्दों से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा -

"ये और बात की आंधी मेरे बस में नहीं
मगर चिराग जलाना तो इख्तियार में है"

68/125

↳ सराहनीय प्रयास है। मितेश लेखन अभ्यास करते रहें। आप जरूर अच्छा करेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate m
write on this

5. आने वाला हर तूफान हमें नष्ट करने के लिए नहीं होता।
Every storm that comes is not meant to destroy us.

6. वर्ष 2047 तक भारत का एक विकसित राष्ट्र का दृष्टिकोण।
India's vision of a developed nation by the year 2047.

7. बढ़ती असमानता इस बारे में नहीं है कि ज्ञान किसके पास है; यह इस बारे में है कि शक्ति किसके पास है।
Rising inequality isn't about who has the knowledge; it's about who has the power.

8. हमारे ग्रह के लिए सबसे बड़ा खतरा यह विश्वास है कि कोई और इसे बचाएगा।
The greatest threat to our planet is the belief that someone else will save it.

"वर्ष 2047 तक भारत का एक विकसित राष्ट्र का ~~दृ~~ दृष्टिकोण"

हाल ही में भारत ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए विश्व की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा IMF के अनुसार इसके 2027 तक तीसरे स्थान पर पहुँचने की उम्मीद है। भारत की लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ ही हमने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आइये समझते हैं आखिर विकसित राष्ट्र होता क्या है? तथा भारत के 2047 तक इस लक्ष्य को पूरा करने हेतु प्रोत्साहित करने बढ़ते तत्व एवं बाधक तत्व दोनों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हैं।

विकसित राष्ट्र सामान्यतः ऐसे देश को संदर्भित करता है, जिसमें देश की जनता गरीब न हो, समावेशी विकास हो, सभी को मूलभूत सुविधाएं मिले, देश का आय नागरिक की सशक्त हो, महिला सशक्तिकरण हो, तथा महिला-पुरुष में समानता का वातावरण है। इस प्रकार विकसित देश एक विस्तृत अवधारणा है।

5 एकं ऊनेविचार देशों के विकसित राष्ट्र की अवधारणा?

मानव विकास सूचकांक का जिक्र कर सकते हैं।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रोत्साहित एवं बढ़ावा देने वाले तत्व में सर्वप्रथम स्थान आता है भारत की निरंतर विकासशील अर्थव्यवस्था हो। जैसे कोरोना के

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का

समय जब सम्पूर्ण विश्व में निम्न या नकारात्मक संवृद्धि दर्ज की गई उस समय भारत की आर्थिक संवृद्धि 7.8% की है तथा विश्व बैंक ने आगे भारत की अर्थव्यवस्था को इसी दर से बढ़ने की संभावना जताई है परिणामस्वरूप विदेशी निवेशक इस ओर आकर्षित हुए साथ ही भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल जो अधिकतम FDI प्राप्त करते है।

भारत की विदेशों में बढ़ती सॉफ्ट पावर भी इसके लिये अनुकूल माहौल तैयार कर रही है जिसमें प्रवासी भारतीयों का बड़ा भाग है जिस कारण विश्व में सबसे अधिक रेमिटेंस (प्रवासी) पाने वाला राष्ट्र बन गया है साथ ही इससे भारतीय संस्कृति सभ्यता एवं उत्पादों के लिये भी अनुकूल माहौल बना है।

भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हो रहा है। वे अर्थव्यवस्था में हिस्सा बन रही है तथा राष्ट्रीय निर्माण में योगदान कर रही है।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र की बात दिशा में अग्रणी रहा है हाल ही में चन्द्रयान-3 का सफल सम्प्रेषण ने अंतरिक्ष में भारत की मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। जिससे भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनकी पहुँच अंतरिक्ष तक है। मार्स मिशन की इस दिशा में उल्लेखनीय है।

भारत का सेवा क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र है जिससे विदेशी FDI एवं प्रबंधन, तकनीकी सहयोग प्राप्त होता है तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम में भारत विश्व में तीसरा स्थान रखता है जो भारतीय अर्थव्यवस्था की तीव्र वृद्धि का सूचक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)
drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है।

अन्य क्षेत्रों की बात करें, तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता सहयोग, शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति, स्टार्ट-अप्स, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण एवं बैंकिंग क्षेत्र आदि भारत को तीव्र समृद्धि की ओर अग्रसर करते हैं।

आइये अब उन पहलुओं को समझते हैं जो भारत की इस विकासगाथा में बाधक तत्व रहे हैं तथा जिन्हें शीघ्र ही निपटाना कर 2047 तक विकसित राष्ट्र का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

आर्थिक समृद्धि के साथ ही भारत में असमानता की दर तेजी से बढ़ रही है जिसमें कहा भी जाता है कि वैश्वीकरण के बाद अमीर और अमीर हुए हैं एवं गरीब और गरीब तथा विश्व इकोनॉमिक फोरम

The Vision
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)
drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की असमानता रिपोर्ट में भी भारत की स्थिति दयनीय है 155 देशों की सूची में 135 वें नम्बर पर है अतः हमें सामाजिक एवं आर्थिक समानता सुनिश्चित करनी होगी - दिनकर जी की निम्न पंक्ति समानता की ओर इशारा करती है

"शांति नहीं तब तक, जब तक
सुख भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो
नहीं किसी को कम हो"

इसके अतिरिक्त देश में हर स्तर में भ्रष्टाचार व्याप्त है चाहे शिक्षा योजना हो या विकासात्मक योजना आवास योजना हो या पेंशन योजना निजी कार्यालय हो या सरकारी कार्यालय सभी में किसी न किसी रूप में भ्रष्टाचार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्याप्त हैं जो विकास के निष्पक्ष क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है साथ ही इससे धन का गलत कार्यों में खर्च होता है कौटिल्य ने भी कहा है

"मैं यह मान सकता हूँ कि मछली आकाश में उड़ रही है लेकिन यह नहीं मान सकता कि सरकारी कर्मचारी रिश्वत न ले"

भ्रष्टाचार का यही स्तर न्याय प्रणाली में भी देखने को मिलता है जहाँ कभी-2 निर्दोषों को सजा भुगतनी पड़ती है एवं दोषी आराम से घूमते हैं। इसी पर अकबर इलाहाबादी जी ने लिखा है-

"हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं बदनाम
वो कत्ल भी कर दें तो चर्चा नहीं होती"

वहीं जहाँ वैश्वीकरण के साथ महिलाओं को स्थिति सुधरी है उनके लिये

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

शिक्षा एवं रोजगार के अवसर उपजे हैं वहीं दूसरी और विश्व जेंडर गैप रिपोर्ट में भारत की स्थिति 135 वें नंबर पर है। इसके लिये हमें नारी को सशक्त करना होगा ताकि वो भी देश निर्माण में अपना सत प्रतिशत योगदान दे सके। WEF के अनुसार यदि भारत में महिलाओं को अर्थव्यवस्था में बराबर होने हेतु प्रोत्साहित किया जाये तो देश की GDP 1.5% तक बढ़ जायेगी।

"जब नारी में है शक्ति सारी
तो फिर क्यों कहें नारी को बेचारी"

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के सामने बड़ी चुनौति है जिसमें भारत को भी 2070 तक कार्बन तटस्थता के लक्ष्य के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं विकास में पर्याप्त संतुलन साधना है।

हरित विकसित देश की संकल्पना

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हालांकि भारत इस दिशा में अग्रसर है जिसमें COP-26 दौरान भारत द्वारा शुरू की गई पंचामृत एवं Life पहल इस दिशा में भारत को एक प्रतिबद्ध (पर्यावरणप्रति) राष्ट्र बनाती है। अतः हमें सतत पोषणीय तरीके से पर्यावरण का दोहन करते हुए संतुलन साधना है इस संदर्भ में गांधी जी ने भी कहा है - "प्रकृति मनुष्य की जरूरतों को पूरा कर सकती है लालच को नहीं"।

भारत 1991 में शुरू किये गये नये आर्थिक सुधारों के बाद से कृषि उत्पादों को निवल निर्यातक रहा है लेकिन अभी भी देश के किसानों की हालत गोदान के होरी की तरह जो ऋण में डूबा रहता है साथ ही किसान आत्महत्या की संख्या भी बढ़ रही है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उमीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी को आगे बढ़ाये तो महंगाई की एक बड़ी समस्या है जो किसान के साथ-साथ वंचित, मजदूर, सभी को परेशान करती है- इस संदर्भ में दो लाइनें याद आती है-

"कीमत बढ़ गई है दिल्ली में धान की
विदा न हो सके लेकिन बेटी किसान की"

विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार शीर्ष 10% जनसंख्या के पास देश की 77% सम्पत्ति की भागीदारी है जो आर्थिक असमानता को दिखाती है। इस दिशा में समावेशी विकास को आगे बढाते हुए सबका साथ सबका विकास को बढ़ावा देना है।

उपर्युक्त चुनौतियाँ भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने में

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बाधा बन सकती है किन्तु भारत अग्रणी रूप से बन सका सामना करते हुए इनके निदान कर रहा है। आपने अन्य कुछ पहलुओं से उपर्युक्त समस्याओं के निदान एवं कुछ उपाय सोचते हैं।

भारत को सतत पोषणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में पर्यावरण संरक्षण, गरीबी उन्मूलन, कुपोषण समाप्ति, समावेशी विकास जैसे मुद्दों को बढ़ावा देना चाहिए। जमीनी स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को बेहतर करने के लिए पंचायती संस्थानों के उपयोग को बढ़ाना चाहिए।

भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, ~~सीलबन्द~~ प्रशासनिक शिथिलता जैसे विषयों के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपचार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है। जैसे भ्रष्टाचार में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा, त्वरित न्याय के लिए e-कोर्ट आर्थिक क्षेत्र में निष्पक्षता के लिए एवं वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा सकता है।

समग्रत: भारत में पर्याप्त सम्भावना एवं क्षमता मौजूद है जो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने हेतु आवश्यक है। साथ ही मार्ग में आने वाली कुछ बाधाओं जैसे- क्षेत्रीय असमानता, शिक्षा, पर्यावरण आदि दिशा में भी भारत पूरी प्रतिबद्धता के साथ इन समस्याओं का निराकरण करने में लगा है तथा जल्द ही उत्तर समस्या पर लगाम पा लेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः आने वाला कल भारत देश का होगा जहाँ देश का हर नागरिक, सम्पन्न, स्वस्थ एवं जागरूक होगा, प्रत्येक व्यक्ति की देश, राष्ट्र निर्माण में समान भागीदारी होगी, देश की महिलाएं पुरुषों के समान कदम से कदम बढ़ाकर चलेंगी यह दिन अब दूर नहीं है।

अतः निश्चित ही हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनेंगे। दो-लाइनों से अपनी बात समाप्त करना चाहूँगा-

"जिंदगी की असली उड़ान बाकी है
जिंदगी में कई इम्तेहान बाकी है,
अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीं
अभी तो पूरा आसमां बाकी है"

↳ अच्छा प्रयास है।

↳ जीवन स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रति व्यक्ति आय, बुनियादी ढांचा आदि की बात प्रधानमंत्री जी ने 2047 के विकसित भारत में देखा था।

67/125

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

↳ उत्तर में थोड़ा और विविधता बेहतर होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)